भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.04.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5739 का उत्तर

रेलवे द्वारा 'डोर टू डोर डिलीवरी'

5739. श्री हाजी फजलुर रहमान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या रेलवे देश में 'डोर-टू-डोर डिलीवरी' शुरू करने पर विचार कर रहा है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) रेलवे द्वारा प्रस्तावित डोर-टू-डोर योजना का उद्देश्य क्या है; और
(घ) इसके परिणामस्वरूप लोगों को क्या लाभ मिलने की संभावना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय डाक और भारतीय रेल का 'संयुक्त पार्सल उत्पाद' (जेपीपी) विकसित किया जा रहा है जिसमें प्रारंभिक-छोर और अंतिम-छोर संपर्कता डाक विभाग द्वारा मुहैया कराई जाएगी, तथा स्टेशन से स्टेशन तक की मध्यवर्ती संपर्कता रेलवे के जरिए प्रदान की जाएगी। जेपीपी का उद्देश्य प्रेषक के परिसर से पार्सल लेना, बुकिंग करना और पाने वाले के घर पर डिलीवरी करना जैसे समग्र पार्सल सम्हलाई समाधान उपलब्ध करा कर बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कस्टमर को लक्षित करना है।

भारतीय रेल और भारतीय डाक द्वारा जेपीपी को पायलट परियोजना के आधार पर शुरू किया गया है। पायलट परियोजना की पहली सेवा 31 मार्च, 2022 से सूरत से वाराणसी के लिए शुरू की गई है।

*****